



आरोग्य सहाय्यक नवीन अभ्यासक्रम सन २०१४ पासून लागू

| पेपर क्र. | विषय | अपेक्षित तासिका |
|-----------|---|-----------------|
| १ | शरीरशास्त्र, शरीरक्रियाशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र | ६० |
| २ | मुलभूत परिचर्या | ६० |
| ३ | विशेष परिचर्या व औषध शास्त्र | ६० |
| ४ | स्त्रीरोग, प्रसुतीशास्त्र व शिशू आरोग्य | ७० |
| ५ | सामाजिक आरोग्य व आहारशास्त्र | ७० |
| | | ३२० |

नवीन शैक्षणिक सत्र १ जुलै पासून चालू होईल व शैक्षणिक वर्ष समाप्ती ३० एप्रिल रोजी होईल. -
एकूण शैक्षणिक कालावधी - १० महिने - ४० सप्ताह

प्रति सप्ताह ८ तासिका घेणे अपेक्षित आहे.

नोव्हेंबर महिन्यामध्ये अर्धवार्षिक अंतर्गत लेखी व प्रात्यक्षिक परीक्षा घ्यावी.

मे प्रथम सप्ताहामध्ये लेखी व प्रात्यक्षिक पूर्वपरीक्षा घ्यावी

अंतर्गत परीक्षेचे मूल्यमापन गुण हे विद्यापीठास मे महिन्याच्या शेवटच्या सप्ताहाच्या आत सादर करावेत.

विद्यार्थ्यांचे मूल्यमापन खालील प्रमाणे केले जाईल.

१) अंतर्गत मूल्यमापन - सदरचे मूल्यमापन संस्थेने स्वतः करावायचे असून त्यासाठी नोव्हेंबर व मे महिन्यात विद्यार्थ्यांची सराव परीक्षा घ्यावी. तसेच विद्यार्थ्यांकडून प्रत्येक विषयासाठी निर्धारित

केलेल्या कार्यानुभव कृती व विविध संस्था भेटी यांची नोंदवही व प्रात्यक्षिक वही पूर्ण करून घेऊन त्यानुसार मुल्यांकन करावे.

२) बाह्य मुल्यांकन हे विद्यापीठ करेल. त्यासाठी शैक्षणिक वर्ष अखेर म्हणजेच दर वर्षी मे महिन्यात तिसऱ्या व चौथ्या सप्ताहात अंतिम वार्षिक परीक्षा घेतली जाईल.

विद्यापीठ अंतिम परीक्षेचे स्वरूप खालील प्रमाणे असेल.

| पेपर क्र. | विषय | वार्षिक लेखी परीक्षा | अंतर्गत मूल्यमापन | एकूण |
|-----------|---|----------------------|-------------------|---------|
| १ | शरीरशास्त्र, शरीरक्रियाशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र | ७५ गुण | २५ गुण | १०० गुण |
| २ | मुलभूत परिचर्या | ७५ गुण | २५ गुण | १०० गुण |
| ३ | विशेष परिचर्या व औषध शास्त्र | ७५ गुण | २५ गुण | १०० गुण |
| ४ | स्त्रीरोग, प्रसुतीशास्त्र व शिशू आरोग्य | ७५ गुण | २५ गुण | १०० गुण |
| ५ | सामाजिक आरोग्य व आहारशास्त्र | ७५ गुण | २५ गुण | १०० गुण |
| | प्रात्यक्षिक परीक्षा १ | १०० गुण | १०० गुण | २०० गुण |
| | प्रात्यक्षिक परीक्षा २ | १०० गुण | १०० गुण | २०० गुण |
| | एकूण | ५७५ गुण | ३२५ गुण | ९०० गुण |
| | उत्तीर्ण होण्यासाठी किमान आवश्यक गुण | २३० गुण | १३० गुण | |

लेखी पेपर चा कालावधी ३ तास इतका राहिल.

लेखी पेपर मध्ये उत्तीर्ण होण्यासाठी प्रत्येक पेपर मध्ये किमान ३० गुण मिळणे आवश्यक असेल.

अंतिम प्रात्यक्षिक परीक्षेत उत्तीर्ण होण्यासाठी विद्यार्थ्याला किमान ५० गुण मिळणे आवश्यक असेल.

तसेच अंतर्गत मूल्यमापनामध्ये किमान १३० गुण मिळणे आवश्यक असेल.

एखादा विद्यार्थी उत्तीर्ण होण्यासाठी त्याला अंतिम परीक्षा व अंतर्गत मूल्यमापन या दोन्ही मध्ये किमान आवश्यक गुण मिळावे लागतील.

प्रात्यक्षिक परीक्षेचे स्वरूप खालील प्रमाणे असेल.

प्रात्यक्षिक परीक्षा १ – पेपर नं. १ ते ३ वर आधारित असेल.

गुण १००

| अनु.क्र. | प्रात्यक्षिक घटक | गुण विभागणी |
|----------|---|-------------|
| १ | रुग्णाच्या विविध बाबींची नोंद केस पेपर वर करणे | १५ |
| २ | सुश्रुषा प्रक्रियेचे प्रात्यक्षिक दाखवणे | १५ |
| ३ | रुग्णास आरोग्य विषयक सल्ला देणे | १० |
| ४ | टेबल वर मांडलेल्या विविध वस्तू ओळखून त्यांचा उपयोग सांगणे | १५ |
| ५ | तोंडी परीक्षा | ३० |
| ६ | प्रात्यक्षिक नोंद वही व विद्यार्थ्यांची वैयक्तिक वर्तणूक व स्वच्छता | १५ |

प्रात्यक्षिक परीक्षा २ – पेपर नं. ४ व ५ वर आधारित

| अनु.क्र. | प्रात्यक्षिक घटक | गुण विभागणी |
|----------|---|-------------|
| १ | प्रसुती पूर्व नोंदणी व सल्ला | १५ |
| २ | नाव जात बालकाची काळजी व लसीकरण | १५ |
| ३ | संतती नियोजन, लहान बाळांचे आजार यांसंदर्भात मार्गदर्शन | १० |
| ४ | टेबल वर मांडलेल्या विविध वस्तू ओळखून त्यांचा उपयोग सांगणे | १५ |
| ५ | तोंडी परीक्षा | ३० |
| ६ | प्रात्यक्षिक नोंद वही व विद्यार्थ्यांची वैयक्तिक वर्तणूक व स्वच्छता | १५ |

पेपर क्र.१ शरीरशास्त्र, शरीरक्रियाशास्त्र,सूक्ष्मजीवशास्त्र

अपेक्षित तासिका ६०

| घटक क्र. | घटक | शैक्षणिक तास |
|----------|---|--------------|
| | शरीर शास्त्र व शरीर क्रिया शास्त्र | |
| १ | विविध शरीरसंस्थांची व त्यांमधील संज्ञा यांची तोंड ओळख | ३ |
| २ | पेशी व उती - रचना व कार्य | ३ |
| ३ | स्नायू व अस्थि संस्था - रचना व कार्य | ६ |
| ४ | रक्त व रक्त घटक - रचना व कार्य | ४ |
| ५ | श्वसन संस्था - रचना व कार्य | ६ |
| ६ | रक्ताभिसरण संस्था - रचना व कार्य | ६ |
| ७ | अंतःस्रवी ग्रंथी - रचना व कार्य | ४ |
| ८ | पचन संस्था - रचना व कार्य | ६ |
| | सूक्ष्मजीवशास्त्र | |
| १ | सूक्ष्मजीवशास्त्र ओळख व संज्ञांची माहिती | ६ |
| २ | जंतू संसर्ग व संसर्गजन्य आजार | ६ |
| २ | निर्जंतुकीकरण पद्धती | ६ |
| ३ | जैववैद्यकीय कचरा व्यवस्थापन | ४ |
| | | |

पेपर क्र.२ मुलभूत परिचर्या

अपेक्षित तासिका ६०

| घटक क्र. | घटक | शैक्षणिक तास |
|-------------|-------------------------------|--------------|
| १ | परिचर्या व परिचारिका तोंड ओळख | ५ |
| २ | रुग्णालय – विभाग व व्यवस्थापन | १५ |
| ३ | रुग्ण – रुग्ण नोंदी, तपासणी | २० |
| ४ | दैनंदिन परिचर्या | २० |

पेपर क्र.३ विशेष परिचर्या व औषध शास्त्र

अपेक्षित तासिका ६०

| घटक क्र. | घटक | शैक्षणिक तास |
|----------|-----------------------------------|--------------|
| १ | वैद्यकीय व शल्य परिचर्या ओळख | ४ तास |
| २ | रक्ताभिसरण संस्था आजार व सुश्रुषा | ८ तास |
| ३ | श्वसनसंस्थेचे आजार व सुश्रुषा | ८ तास |
| ४ | पचन संस्थेचे आजार व सुश्रुषा | ८ तास |
| ५ | उत्सर्जन संस्थेचे आजार व सुश्रुषा | ८ तास |
| ६ | चेतासंस्थेचे आजार व सुश्रुषा | ८ तास |
| ७ | अस्थि व स्नायूंचे आजार व सुश्रुषा | ८ तास |
| ८ | चयापचायचे आजार व सुश्रुषा | ८ तास |

पेपर क्र.४ स्त्रीरोग, प्रसुतीशास्त्र व शिशू आरोग्य

अपेक्षित तासिका ७०

| घटक क्र. | घटक | शैक्षणिक तास |
|----------|--|--------------|
| १ | स्त्री पुनर्त्पादन संस्था व मासिक पाळी | ६ तास |
| २ | गर्भावस्थेचे टप्पे | ६ तास |
| ३ | प्रसुतीपूर्व सल्ला व मार्गदर्शन | ६ तास |
| ४ | स्वाभाविक प्रसुती | ६ तास |
| ५ | धोकादायक प्रसुती | ६ तास |
| ६ | प्रसुतीपश्चात समस्या व निराकरण | ६ तास |
| ७ | कुटुंब नियोजन पद्धती | ६ तास |
| ८ | नवजात अर्भक काळजी व सुश्रुषा | ६ तास |
| ९ | लहान मुलांचे लसीकरण व महत्व | ६ तास |
| १० | शिशू अवस्थेतील आजार व काळजी | ६ तास |
| ११ | स्तनपान व महत्व | ५ तास |
| १२ | रजोनिवृत्ती व समस्यांचे निराकरण | ५ तास |

पेपर क्र.५ सामाजिक आरोग्य व आहारशास्त्र

अपेक्षित तासिका ७०

| घटक क्र. | घटक | शैक्षणिक तास |
|----------|--|--------------|
| १ | आरोग्य संकल्पना | ४ तास |
| २ | विविध आरोग्य समस्यांचे सामाजिक परिणाम | ६ तास |
| ३ | जागतिक आरोग्य संघटना व इतर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आरोग्य संघटना | ६ तास |
| ४ | परिसर स्वच्छता व महत्व | ८ तास |
| ५ | संसर्गजन्य आजार व प्रतिबंधात्मक उपाय | ८ तास |
| ६ | जीवन शैली मुळे उद्भवणारे आजार व निराकरण | ८ तास |
| ७ | आहार संकल्पना | ८ तास |
| ८ | अन्नपदार्थ घटक व महत्व | ८ तास |
| ९ | विविध अन्नघटकांअभावी उद्भवणारे आजार व निराकरण | ८ तास |
| १० | अन्न शिजवण्याच्या तसेच साठवण्याच्या पद्धती | ६ तास |

| पेपर क्र. | जुना विषय | नवीन विषय |
|-----------|--|---|
| १ | शरीर शास्त्र व औषध शास्त्र | शरीरशास्त्र, शरीरक्रियाशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र |
| २ | सामान्य व विशेष परिचर्या | मुलभूत परिचर्या |
| ३ | निर्जंतुकीकरण व सूक्ष्म जीव शास्त्र | विशेष परिचर्या व औषध शास्त्र |
| ४ | सामाजिक आरोग्य, स्त्री रोग व प्रसुती शास्त्र | स्त्रीरोग, प्रसुतीशास्त्र व शिशू आरोग्य |
| ५ | आहार शास्त्र व हॉस्पिटल व्यवस्थापन | सामाजिक आरोग्य व आहारशास्त्र |
| | | |



सोलापूर विद्यापीठ ,सोलापूर
जनविकास केंद्र
आरोग्य सहाय्यक

| | |
|--|-----------------------------|
| वार -सोमवार | वेळ :-१०.३०A.M. ते १.००P.M. |
| दिनांक- ०२/०५/२०१६ | गुण :- ७५ |
| विषय- शरीरशास्त्र, शरीरक्रियाशास्त्र,सुक्ष्मजीवशास्त्र | पेपर क्रं:-१ |

सूचना : सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

उजवीकडील अंक गुण दर्शवितात.

प्र.०१ ला. गाळलेल्या जागा भरा.

गुण - ५

- स्वादुपिंडामध्ये-----ची निर्मिती होते.
अ) इन्सुलिन ब) लाळ क) थायरॉक्झीन ड) ग्रोथ हॉर्मोन
- पाठीच्या मणक्यांची संख्या ----- असते.
अ) ५ ब) १२ क) ७ ड) ३
- कंठस्थ ग्रंथीस ----- म्हणतात.
अ) पिट्युटरी ब) थायरॉईड क) एड्रेनल ड) थायमस
- रक्तपेशींचा नाश----- मध्ये होतो.
अ) प्लीहा ब) यकृत क) किडनी ड) त्वचा
- जीवनसत्व 'ड' च्या अभवामुळे----- हा आजार होतो.
अ) कांजण्या ब) रातांधळेपणा क) मुडदुस ड) स्कर्व्ही

प्र.०२ रा. जोड्या जुळवा.

गुण - ५

- | | |
|----------------|-----------------------------|
| १. स्वाईन फ्लू | अ. क्लोस्ट्रीडीयम टीटेनी |
| २. विषमज्वार | ब. हिपाटायटीस बी |
| ३. मलेरिया | क. प्लाझमोडीयम व्हायव्हाक्स |
| ४. कावीळ | ड. एच १ एन १ विषाणू |
| ५. धनुर्वात | ई. साल्मोनेला टायफी |

प्र.०३ रा. चुक की बरोबर ते सांगा.

गुण - ५

- हृदयाचे स्नायू अनैच्छिक असतात.
- नेफ्रॉन हा मूत्रपिंडाचा मुख्य घटक आहे.
- कॉलरा हा संसर्गजन्य आर नाही.
- मधुमेह आजारात रक्तामधील साखरेचे प्रमाण कमी होते.
- जीवनसत्व 'ड' ची निर्मिती त्वचेमध्ये होते.

प्र.०४ था. एका वाक्यात उत्तरे लिहा.

गुण -१०

- बिजागरी सांध्याचे उदाहरण सांगा.
- बेरीबेरी हा आजार कोणत्या जीवनसत्वाच्या अभावी होतो?
- हृदयाला किती कप्पे असतात?

४. श्वेतरक्तपेशींचे मुख्य कार्य काय असते?
५. निर्जन्तुकीकरण म्हणजे काय?
६. डॅंग्यू ताप कशामुळे होतो?
७. स्वाईन फ्लू कोणत्या विषाणू मुळे होतो?
८. पेरीकार्डीयम म्हणजे काय?
९. अचल सांधे म्हणजे काय?
१०. फुफ्फुसाच्या आवरणास काय म्हणतात?

प्र.०५ वा. टिपा लिहा. (कोणत्याही ४)

गुण -२०

१. पेरीटोनियम
२. यकृताची कार्ये
३. अंतस्त्रावी ग्रंथी
४. जीवाणू विषाणू भेद
५. बुरशीचे प्रकार

प्र.०६ वा. सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही २)

गुण -१०

१. अड्रेनल ग्रंथीची रचना सांगा.
२. मानेच्या मणक्यांची रचना स्पष्ट करा.
३. किडनीची रचना सांगा.

प्र.०७ वा. कोणत्याही एका प्रश्नाचे विस्तृत उत्तर लिहा.

गुण -२०

१. चेतामज्जा संस्थेची रचना सांगा.
२. ऑटोक्लेव्ह पध्दतीचे वर्णन करा.
३. सांध्यांचे विविध प्रकार उदाहरणासह स्पष्ट करा.



सोलापूर विद्यापीठ ,सोलापूर
जनविकास केंद्र
आरोग्य सहाय्यक

वार -मंगळवार

वेळ :- १०.३०A.M. ते १.००P.M.

दिनांक- ०३/०५/२०१६

गुण :- ७५

विषय- मुलभूत परिचर्या

पेपर क्रं:-२

सूचना : सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

उजवीकडील अंक गुण दर्शवितात.

प्र.०१ ला. गाळलेल्या जागा भरा.

गुण - ५

- हृदयाविकाराचा झटका आलेल्या रुग्णांस----- मध्ये भरती केले जाते.
अ) आय.सी.यु. ब) ओ.टी. क) कज्युलटी ड) फार्मसी
- वरील रक्तदाबास उच्च रक्तदाब असे म्हटले जाते.
अ) १२०/८० ब) १००/७० क) १३०/९० ड) ९०/६०
- बाह्य रुग्णांची तपासणी ----- मध्ये केली जाते.
अ) ओ.टी ब) ओ.पि.डी. क) आय.पि.डी. ड) अपघात विभाग
- डस्टिंग साठी ----- पावडर वापरतात.
अ) झिंक ब) आयर्न क) रीन ड) फेस
- सर्वसाधारण नाडीचे ठोके ----- प्रती सेकंद इतके असतात.
अ) ८८ ब) ७२ क) १०० ड) १२०

प्र.०२ रा. जोड्या जुळवा.

गुण - ५

- अस्थिभंग रुग्ण अ. मर्टर्निटी विभाग
- हृदयविकार रुग्ण ब. सर्जिकल वार्ड
- भाजलेले रुग्ण क. कार्डीयाक विभाग
- ऑपरेशन झालेले रुग्ण ड. ऑर्थोपेडीक वार्ड
- प्रस्तुतीचे रुग्ण ई. बर्न वार्ड

प्र.०३ रा. चुक की बरोबर ते सांगा.

गुण - ५

- सामनान्पेक्षा जास्त जलद नाडी चे ठोके पडत असतील तर त्यास ब्रडीकार्डीया म्हणतात.
- तुंबलेली लघवी काढण्यासाठी फोलीज कथेटर वापरतात.
- अपघात विभाग २४ तास चालू असतो.
- महिला रुग्णांची मेडिकोलीगल नोंदणी करत नाहीत.
- पेशंटला नाकावाटे अन्न भरवण्यासाठी राईल्स ट्युब वापरतात.

प्र.०४ था. एका वाक्यात उत्तरे लिहा.

गुण -१०

- शरीराचे सामान्य तापमान किती असते?
- सर्वसामान्य रक्तदाब किती असतो?
- ओ.टी. म्हणजे काय?

४. लहान बाळाच्या अतिदक्षता विभागस काय म्हणतात?
५. शारीराचे तापमान कोठे कोठे पहिले जाते?
६. स्पंजिंग कधी केले जाते?
७. शय्याव्रण होऊ नये म्हणून कोणता बेड वापरला जातो?
८. झिंक पावडर चा उपयोग केव्हा करतात?
९. राईल्स ट्युबचा उपयोग काय असतो?
१०. आर.एम.ओ.चा अर्थ काय आहे?

प्र.०५ वा. टिपा लिहा. (कोणत्याही ४)

गुण -२०

१. स्पंजिंग पध्दत
२. नेब्युलायझेशन
३. डस्टिंग
४. सर्जिकल ड्रेसिंग
५. वार्ड स्वच्छता

प्र.०६ वा. सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही २)

गुण -१०

१. अतिदक्षता विभागामध्ये काय काळजी घेतली पाहिजे?
२. परिचारिकेने वैयक्तिक स्वच्छता कशी ठेवावी ते सांगा.
३. वार्ड मध्ये कोणकोणते रजिस्टर असतात ते सांगा व त्यांचे महत्व विषद करा.

प्र.०७ वा. कोणत्याही एका प्रश्नाचे विस्तृत उत्तर लिहा.

गुण -२०

१. रुग्णालयातील विविध विभागांची नावे सांगून तिथे काय कार्य चालते ते सांगा.
२. व्यावस्थापन म्हणजे काय ? व्यवस्थापनाचे घटक कोण कोणते आहेत व त्यांचे महत्व सांगा.



सोलापूर विद्यापीठ ,सोलापूर
जनविकास केंद्र
आरोग्य सहाय्यक

| | |
|-----------------------------------|------------------------------|
| वार -बुधवार | वेळ :- १०.३०A.M. ते १.००P.M. |
| दिनांक- ०४/०५/२०१६ | गुण :- ७५ |
| विषय- विशेष परिचर्या व औषधशास्त्र | पेपर क्रं:-३ |

सूचना : सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

उजवीकडील अंक गुण दर्शवितात.

प्र.०१ ला. गाळलेल्या जागा भरा.

गुण - ५

- हृदयाच्या आलेखास ----- म्हणतात.
अ) ई.सि.जी. ब) ई.सि.टी. क) पि.एफ.टी. ड) स्पायरोमेट्री
- इन्सुलिनचे इंजेक्शन ----- देतात.
अ) स्नायुमध्ये ब) त्वचेखाली क) शिरेमध्ये ड) तोंडावाटे
- यामध्ये अल्कोहोल असते.
अ) आयोडीन ब) बीटाडीन क) स्पिरीट ड) हायड्रोजन पेरॉक्साईड
- दमा असलेल्या रुग्णांना ----- हे औषध देतात.
अ) साल्ब्युटोमॉल ब) क्रोसिन क) डायक्लोफेनेक ड) बी.कॉम्प्लेक्स
- फेल्युअर असलेल्या रुग्णांना डायलेसीस उपचारांची गरज असते.
अ) रीनल ब) लिव्हर क) हार्ट ड) ब्रेन

प्र.०२ रा. जोड्या जुळवा.

गुण - ५

- क्षयरोग अ.किडनी
- मधुमेह ब. लिव्हर
- गॉयटर क. स्वादुपिंड
- कावीळ ड. थायरॉईड ग्रंथी
- मुतखडा ई. फुफ्फुस

प्र.०३ रा. चुक की बरोबर ते सांगा.

गुण - ५

- मुतखड्याचे निदान करण्यासाठी सोनोग्राफी करवी लागते.
- पित्ताचे अल्सरचे निदान करण्यासाठी गस्ट्रोस्कोप वापरतात.
- अपेंडिक्स ऑपरेशन ला लिथोट्रिप्सी म्हणतात.
- फेफरे येणे हा मज्जा संस्थेचा आजार आहे.
- अस्थिभंग झालेल्या रुग्णास ऑर्थोपेडीक विभागात दाखल केले जाते.

प्र.०४ था. एका वाक्यात उत्तरे लिहा.

गुण -१०

- ई.ई.जी. चा अर्थ काय आहे?
- अस्थमा हा आजार कोणत्या अवयवाचा आहे?
- सयरोमेट्री म्हणजे काय?

४. धनुर्वाताचे इंजेक्शन कसे देतात?
५. बी.सि.जी.लस कशी देतात?
६. निओटोनिक एनिमा म्हणजे काय?
७. ग्लुकोज सलाईन कोणत्या रुग्णांना लावत नाहीत?
८. अति रक्तस्राव झालेल्या रुग्णास कोणते सलाईन लावतात?
९. इंडोट्रकीयल ट्युबचा उपयोग काय असतो?
१०. इंजेक्शन डायक्लोफेनेक कशासाठी वापरतात?

प्र.०५ वा. टिपा लिहा. (कोणत्याही ४)

गुण -२०

१. वेदनाशामक औषधांचे वर्गीकरण
२. पित्तशामक औषधे
३. फोलीज कथेटरायझेशन पध्दत
४. सर्जिकल ड्रेसिंग
५. सोप वाटर एनिमा

प्र.०६ वा. सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही २)

गुण -१०

१. इंजेक्शन देण्यापूर्वी काय काय काळजी घेतली पाहिजे ते सांगा.
२. इंजेक्शन देण्याच्या विविध पध्दतींचे वर्णन करा.
३. प्रोन पोझीशन म्हणजे काय व ती कशासाठी देतात?

प्र.०७ वा. कोणत्याही एका प्रश्नाचे विस्तृत उत्तर लिहा.

गुण -२०

१. कॅसेट म्हणजे काय? रुग्णालयात कोणकोणत्या प्रकारचे कॅसेट घेतले जातात ते सांगून त्यांचे महत्त्व सांगा.
२. कार्डीयक व रीनल बेड चे वर्णन करा.



सोलापूर विद्यापीठ ,सोलापूर
जनविकास केंद्र
आरोग्य सहाय्यक

| | |
|---|------------------------------|
| वार -गुरूवार | वेळ :- १०.३०A.M. ते १.००P.M. |
| दिनांक- ०५/०५/२०१६ | गुण :- ७५ |
| विषय- स्त्री रोग, प्रसूती शास्त्र व शिशु आरोग्य | पेपर क्रं:-४ |

सूचना : सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

उजवीकडील अंक गुण दर्शवितात.

प्र.०१ ला. गाळलेल्या जागा भरा.

गुण - ५

१. गर्भधारणेवेळी मासिक पाळी बंद होणे यास ----- म्हणतात.
अ) मेनोपॉज ब) मेन्स्ट्रोएशन क) मेनोरेजिया ड) प्रायमरी अमेनो-हीया
२. ----- हे स्त्रियांनी वापरायचे संतती नियमनाचे साधन नाही.
अ) तांबी ब) लीप्पीज लूप क) माला डी ड) निरोध
३. ----- अभावी गर्भवती स्त्रियांना एनिमीया हा आजार होतो.
अ) झिंक ब) लोह क) सोडियम ड) आयोडीन
४. सर्वसाधारण रजःस्रावाचा कालावधी ----- दिवसांचा असतो.
अ) १-२ ब) ३-५ क) १०-१२ ड) १२-१५
५. ----- ही लस तोंडावाटे दिली जाते.
अ) पोलिओ ब) बी.सी.जी. क) मिझल्स ड) १२-१५

प्र.०२ रा. जोड्या जुळवा.

गुण - ५

१. एक्लाम्पशिया अ.मासिक पाळी
२. प्युरपेरीयम ब. श्वेत प्रदर
३. मेनोपॉज क. प्रसूतीपश्चात कालावधी
४. ल्युको-हीया ड. मासिक पाळी थांबणे
५. मेन्सट्रोएशन पिरीयड ई. गर्भधारणा कालावधीतील उच्च रक्तदाब

प्र.०३ रा. चुक की बरोबर ते सांगा.

गुण - ५

१. पुरुष नसबंदी शास्त्रक्रियेस व्हसेक्टोमी म्हणतात.
२. पोलिओची लस वयाच्या ९ व्या वर्षापर्यंत द्यावी लागते.
३. गर्भधारणेचा कालावधी १२ महिने असतो.
४. माला डी या गोळ्या संतती नियमनासाठी वापरल्या जातात.
५. पोटारवर छेद देऊन प्रसूती करण्याच्या ऑपरेशनला सिझेरीयन सेक्शन असे म्हणतात.

प्र.०४ था. एका वाक्यात उत्तरे लिहा.

गुण -१०

१. मिनीलप म्हणजे काय?
२. मासिक पाळी किती दिवस येते?
३. अंगावरून पांढरे जाणे म्हणजे काय?
४. गर्भार स्त्रीस धनुर्वाताचे इंजेक्शन केंव्हा देतात?

५. एम.एम.आर. लस लहान बाळास का देतात?
६. तांबी मध्ये काय असते?
७. ओ.आर.एस. कशासाठी दिले जाते?
८. मेनोरेजीया म्हणजे काय?
९. गर्भारपणाचे पहिले लक्षण काय असते?
१०. लीप्पीज लूप ही कुठे बसविली जाते?

प्र.०५ वा. टिपा लिहा. (कोणत्याही ४)

गुण -२०

१. प्रसूतीपश्चात जंतुसंसर्ग
२. गर्भावस्थेतील आहार
३. डायफ्राम
४. वारंवार गर्भपाताची कारणे
५. स्तनपानाचे महत्त्व

प्र.०६ वा. सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही २)

गुण -१०

१. अस्वाभाविक प्रसूती म्हणजे काय व ती कशी केली जाते?
२. प्रसूतीपूर्व तपासणी म्हणजे काय ते सांगा व तयाचे महत्त्व विषद करा.
३. संतती नियमनाच्या स्त्रीयांसाठीच्या पध्दतींचे वर्णन करा?

प्र.०७ वा. कोणत्याही एका प्रश्नाचे विस्तृत उत्तर लिहा.

गुण -२०

१. स्तनपानाचे महत्त्व सांगून स्तनपानावेळी कोणकोणती दक्षता घेतली पाहिजे ते सांगा.
२. लहान मुलांच्या लसीकरण तक्त्याचे वर्णन करा.



सोलापूर विद्यापीठ ,सोलापूर
जनविकास केंद्र
आरोग्य सहाय्यक

| | |
|------------------------------------|------------------------------|
| वार -शुक्रवार | वेळ :- १०.३०A.M. ते १.००P.M. |
| दिनांक- ०६/०५/२०१६ | गुण :- ७५ |
| विषय- सामाजिक आरोग्य व आहारशास्त्र | पेपर क्रं:-५ |

सूचना : सर्व प्रश्न सोडविणे आवश्यक आहे.

उजवीकडील अंक गुण दर्शवितात.

प्र.०१ ला. गाळलेल्या जागा भरा.

गुण - ५

- हा आजार दुषित पाणी पिल्यामुळे होतो.
अ) एडस ब) मोतीबिंदू क) मधुमेह ड) कावीळ
- हा संसर्गजन्य आजार नाही.
अ) स्वाईनफ्लू ब) विषमज्वार क) क्षयरोग ड) कर्करोग
- यांनी रेडक्रॉस संस्थेची स्थापना केली.
अ) हेनरी ड्युनंट ब) हेन्री फोर्ड क) बिल गेट्स ड) बि किंलटन
- रक्तगटाचे रक्त सर्व रक्तगटासचालू शकते.
अ) बी ब) ए क) ओ ड) एबी
- हा गुप्तरोग आहे.
अ) मोतीबिंदू ब) कर्करोग क) स्वाईन फ्लू ड) एडस

प्र.०२ रा. जोड्या जुळवा.

गुण - ५

- जीवनसत्व ड अ.तेलबिया
- जीवनसत्व अ ब. दुग्धजन्य पदार्थ
- जीवनसत्व क क. त्वचा
- प्रथिने ड. गाजर
- स्निग्ध पदार्थ ई. आवळा

प्र.०३ रा. चुक की बरोबर ते सांगा.

गुण - ५

- जीवनसत्व 'ड' च्या अभावी मुडदुस आजार होतो.
- क्षय रोग हा पचनसंस्थेचा आजार आहे.
- एडस हा आजार असुरक्षित संभोगामुळे होतो.
- माला डी या गोळ्या अनेमियाच्यासाठी वापरल्या जातात.
- तेलबियांमधून स्निग्ध पदार्थ मिळतात.

प्र.०४ था. एका वाक्यात उत्तरे लिहा.

गुण - १०

- स्कर्व्ही हा आजार कोणत्या जीवनसत्वाच्या अभावी होतो?
- जीवनसत्व 'ब' चे मुख्य स्रोत काय आहेत?
- दुषित पाण्यामुळे होणारे दोन आजारांची नावे सांगा?
- जागतिक आरोग्य संघटनेचे भारतामधील मुख्यालय कोठे आहे?

५. जागतिक आरोग्य संघटनेचे भारतामधील मुख्यालय कोठे आहे?
६. भारतामध्ये संसर्गजन्य आजारांच्या प्रतिबंधासाठी कोणता कार्यक्रम राबविला जातो?
७. मलेरिया कशामुळे होतो?
८. ओ.आर.एस. कधी देतात?
९. डीहायड्रेशन म्हणजे काय?
१०. सीमरिंग म्हणजे काय?

प्र.०५ वा. टिपा लिहा. (कोणत्याही ४)

गुण -२०

१. जीवनसत्व ई
२. रेडक्रॉस संघटना
३. प्रथिनाचे कार्य
४. परिसर स्वच्छतेचे महत्व
५. स्तनपानाचे महत्व

प्र.०६ वा. सविस्तर उत्तरे लिहा. (कोणतेही २)

गुण -१०

१. जागतिक आरोग्य संघटनेची उद्दिष्टे सांगा.
२. जीवनसत्व ब चे स्रोत व आहारातील महत्व सांगा.
३. लोकसंख्या वाढीस आळा घालण्यासाठीच्या विविध उपाय योजनांचे वर्णन करा?

प्र.०७ वा. कोणत्याही एका प्रश्नाचे विस्तृत उत्तर लिहा.

गुण -२०

१. अन्न साठवण्याच्या व ठिकवण्याच्या विविध पध्दतींचे उदाहरणासह वर्णन करा.
२. जागतिक आरोग्य संघटनेची उद्दिष्टे, कार्ये व महत्व सांगा.